भारतीय बैंकों की लाभदायकता का विलेशण (भारत के सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के बैंकों के मध्य एक तुलनात्मक अध्ययन)

डॉ. लक्ष्मीनारायण कोली, अमित सिंह
वाणिज्य संकाय दयालबाग षिक्षण संस्थान
(डीम्ड विष्वविद्यालय) आगरा (उत्तर प्रदेष) भारत

शोध सारांश

वर्तमान समय में प्रत्येक देष में उत्पादन, उद्योग, व्यापार तथा व्यवसाय बैंकिग व्यवस्था पर केन्द्रित होते हैं। बैंक द्वारा उपलब्ध साधनों के अधिकतम प्रयोग से अधिकतम लाभ कमाने की क्षमता को ही लाभदायकता कहते है। लाभदायकता की स्थिति बिक्री की मात्रा, लागतों की प्रकृति व द्वितीय साधनों के समुचित प्रयांग पर निर्भर करती है। प्रस्तुत शोध पत्र का उद्वेश्य चयनित सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के बैंकों की लाभदायकता का विश्लेषण और तुलनात्मक अध्ययन करना है। शोध अध्ययन में उन दो–दो सार्वजनिक क्षेत्र एवं निजी क्षेत्र के बैंकों का चयन किया गया है जिनकी बाजार पूँजी (MarketCapitalization) 31 मार्च 2013 को 10,000 करोड़ से कम बाजार पूँजी वाले बैंकों में सबसे अधिक है। जम्मू और कश्मीर बैंक, फेडरल बैंक, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, यूको बैंक से प्राप्त आँकड़ो का विश्लेषण प्रबन्धकीय तकनीक (अनुपात विश्लेषण) तथा सांख्यिकीय तकनीक (सह–सम्बन्ध विश्लेषण) द्वारा किया गया है। शोध अध्ययन की परिकल्पन की वैधता की जाँच सांख्यिकीय तकनीक "टी" टेस्ट के आधार पर की गई है। शोध अध्ययन में वर्ष 2010–11, 2011–12 और 2012–13 तक (तीन वर्षो) के प्रकाशित समंको का ही प्रयोग किया गया है। शोध में चयनित सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के बैंकों की लाभदायकता में उच्च धनात्मक सम्बन्ध (0.91) पाया गया है। जिसका निष्कर्ष है कि सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के बैंकों की लाभदायकता में उच्च कोटि की निर्भरता या सहसम्बन्ध है।

I बैंकों का इतिहास

कहा जाता है कि "बैंक" शब्द का प्रयोग सर्वप्रथम सन् 1157 में इटली में हुआ था। जहाँ बैंक ऑफ वेनिस की स्थापना की गयी थी। सन् 1171 में वेनिस राज्य में युद्व हुआ जिसके कारण आर्थिक संकट की स्थिति उत्पन्न हो गयी। इस स्थिति से छुटकार पाने के लिए राज्य ने प्रत्येक नागरिक से उसकी सम्पत्ति का 1 प्रतिशत अनिवार्य ऋण के रूप में माँगा। उस समय इटली के अधिकांष भाग पर जर्मनी का शासन था। अतः ऋण के इस सामूहिक कोष को 'Bank' नाम दिया गया। जर्मन भाषा में 'Banck' का अर्थ "निधि" या "कोष" होता हैं। बाद में यही शब्द इटालियन भाषा के 'Banco', फ्रांसीसी भाषा के 'Bancke' तथा ब्रिटिष भाषा के 'Bank' के नाम से विख्यात हो गया।

कुछ विद्वानों का कहना है कि बैंक शब्द इटालियन भाषा के "बैंकों (Banco)" से उत्पन्न हुआ है। जिसका अर्थ "बेंच" होता है। रोम के साहूकार अपने लेन–देन बेंचों पर बैठकर किया करते थे। जिस साहूकार का धन्धा बन्द हो जाता था वह "दिवालिया (Bankrupt)" घोषित कर दिया जाता था। और उसका बेंच तोड़ दिया जाता था।

(क) बैंक की परिभाषा –

"बैंक एक ऐसी संस्था है जो ऋण की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए ऐसे व्यक्ति को रूपया उधार देती है जिसे उसकी आवश्यक्ता है तथा जब लोगों को धन की आवश्यक्ता नही होती तो वे अपना धन उसके पास जमा कर देते है।"

– किनले

"बैंकिग से तात्पर्य ऋण देने अथवा विनियोग के आशय से जनता से जमाएँ प्राप्त करना है जोकि माँग पर भुगतान योग्य होती है तथा चैक, ड्राफ्ट अथवा अन्य प्रकार की आज्ञा द्वारा शोधनीय होती है"

– भारतीय बैंकिग नियमन अधिनियम, 1949

(ख) लाभदायकता का आशय

प्रत्येक बैंक का उद्वेश्य लाभ कमाना होता हैं। साथ ही प्रत्येक बैंक का यह प्रयत्न होता है कि प्राप्त लाभ का मात्रा न केवल निरपेक्ष रूप में अधिक हो, बल्कि सापेक्षिक दृष्टि से भी अधिक हो अर्थात उस बैंक में प्रयुक्त पूंजी व साहस की तुलना में लाभ की मात्रा पर्याप्त हो। एक बैंक द्वारा उपलब्ध साधनों के अधिकतम प्रयोग से अधिकतम लाभ कमाने की क्षमता को ही लाभदायकता कहते हैं।

लाभदायकता की स्थिति बिक्री की मात्रा, लागतों की प्रकृति व द्वितीय साधनों के समुचित प्रयांग पर निर्भर करती है। लाभदायकता के विश्लेषण के अन्तर्गत बिक्री का अध्ययन, बिक्रीत वस्तु की लागत का विष्लेषण, बिक्री पर कुल उपान्त का विष्लेषण, संचालन व्यय का विष्लेषण, संचालक का लाभ का विष्लेषण एवं पूंजी की तुलना में शुद्ध आय का विश्लेषण भी आवष्यक होता है।

किसी भी बैंक की लाभदायकता या लाभ को अधिकतम करने के लिए सीमित साधनों से उत्पादन अधिकतम करना पड़ता है। दूसरे शब्दों में, बैक सीमित साधनों के प्रयोग में कुषलता व दक्षता का परिचय देती है। लाभ को अधिकतम बनाने के पीछे बहुत ही सरल तर्क है। लाभ आर्थिक क्षमता व कुषलता का मापदण्ड है। आर्थिक निष्पादन के मूल्यांकन हेतु लाभ मापदण्ड के रूप में प्रयोग किया जाता है। इससे संसाधनों का कुषलतम आबंटन भी सम्भव हो जाता है, क्योकि

संसाधनों को केवल वही पर प्रयोग किया जाता है जहां पर लाभदायकता अधिकतम होने की सम्भावना होती है।

(ग) लाभदायकता विश्लेषण से आशय –
लाभदायकता विष्लेषण किसी उपक्रम की कार्यकुषलता और प्रगति का महत्वपूर्ण माप हैं। यह लाभ कमाने का मापदण्ड तथा सभी कुशलताओं को सामूहिक रूप से प्रकट करने का यन्त्र हैं। लाभदायकता विष्लेषण का आय बैंक की लाभ अर्जित करने की क्षमता से होता है। लाभदायकता विष्लेषण प्रबन्धकों के लिए विभागीय सापेक्षिक कार्यकुषलता के मापन का आधार बनता हैं, लेनदारों को शोधन क्षमता की स्थिति दर्षाता हैं, कर्मचारीयों के लिए उचित मजदूरी तथा श्रम सुविधाओं का आधार बनता है, भावी विनियोंक्ताओं के लिए बैक की अर्जन क्षमता का आंकलन करता है तथा बैंक के लिए सरलता से पूँजी उपलब्ध कराने का माध्यम बनता है।

(घ) लाभदायकता के विश्लेषण में प्रयुक्त औजार –
इस प्रकार के विश्लेषण के लिए अनेकों अनुपात का प्रयोग किया जाता है, जो निम्नलिखित है –

(i) **सकल लाभ अनुपात** – यह अनुपात बैंक की कुशलता का एक अच्छा माप होता है। बैंक की लाभार्जन क्षमता इस अनुपात के माध्यम से जानी जा सकती है।

(ii) **शुद्ध लाभ अनुपात** – आय के प्रतिशत के रूप में यह अनुपात शुद्ध लाभ एवं आय के मध्य सम्बन्ध स्थापित करता है। यह ध्यान देने योग्य है कि शुद्ध लाभ में संचालन लाभ और गैर–संचालन लाभ दोनों ही सम्मिलित होते है।

(iii) **विनियोजित पूँजी पर प्रत्यय** – बैंक की पूर्ण लाभदायक्ता को मापने में विनियोजित पूँजी पर प्रत्यय महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह अनुपात बैंक में लगाये गये कोषों के प्रयोग में प्रबन्धकों की कुषलता का मूल्यांकन करता है।

(iv) **समता पूँजी पर प्रत्यय** – समता पूँजी पर प्रत्यय की दर समता अंषधारियों की दृष्टि से अत्यन्त महत्वपूर्ण है, क्योकि समता अंशों पर लाभांष समता अंशधरियों के लिए उपलब्द लाभ पर निर्भर करता है।

II शोध अध्ययन के उद्देश्य तथा परिकल्पना

(क) उद्देश्य

(i) चयनित बैंकों की लाभदायकता का अध्ययन और विष्लेषण करना।

(ii) चयनित बैंकों की लाभदायकता के बीच तुलनात्मक अध्ययन करना।

(ख) परिकल्पना

Ho_1 निजी क्षेत्र तथा सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की लाभदायकता में कोई सार्थक अन्तर नही है।

II शोध अध्ययन की कार्यविधि

शोध अध्ययन में उन दो–दो सार्वजनिक क्षेत्र एवं निजी क्षेत्र के बैंकों का चयन किया गया है जिनकी बाजार पूँजी 31 मार्च 2013 को 10,000 करोड़ से कम बाजार पूँजी वाले बैंकों में सबसे अधिक है।

तालिका 1
चयनित बैंक

बैंक	क्षेत्र	बाजार पूँजी (करोड़ में)
यूको बैंक	सार्वजनिक	7584.95
यूनियन बैंक ऑफ इंडिया	सार्वजनिक	9599.56
फेडरल बैंक	निजी	8070.20
जम्मू और कश्मीर बैंक	निजी	8274.92

(क) समंक
यह शोध अध्ययन पूर्ण रुप से द्वितीयक समंकों पर निर्भर करता है। शोध अध्ययन के उद्देष्यों की पूर्ति के लिए द्वितीयक समंकों का संग्रहण विभिन्न शोध ग्रन्थों, पुस्तकों, मैग्जीनों, पत्र–पत्रिकाओं, जम्मू और कष्मीर बैंक, फेडरल बैंक, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, यूको बैंक द्वारा जारी की गई वार्षिकी रिपोटों से किया गया है।

(ख) विश्लेषण
जम्मू और कष्मीर बैंक, फेडरल बैंक, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, यूको बैंक से प्राप्त ऑकड़ो का विष्लेषण प्रबन्धकीय तकनीक (अनुपात विष्लेषण) तथा सांख्यिकीय तकनीक (सह–सम्बन्ध विष्लेषण) द्वारा किया गया है।

(ग) ⊥t* टेस्ट विश्लेषण

शोध अध्ययन की परिकल्पनाओं की वैधता की जाँच सांख्यिकीय तकनीक "टी" टेस्ट के आधार पर की गई है।

(घ) शोध अध्ययन की अवधि

शोध अध्ययन में वर्ष 2010–11, 2011–12 और 2012–13 तक (तीन वर्षो) के प्रकाषित समंको का ही प्रयोग किया गया है।

IV चयनित बैंकों की लाभदायकता का अध्ययन

(क) जम्मू और कश्मीर बैंक का तीन वर्षो के अनुपात का विश्लेषण

तालिका– II

लाभ समंक

Profitability Ratios	2010-11	2011-12	2012-13
Gross Profit Ratio	22.3%	22.82%	21.62%
Net Profit Ratio	15.23%	15.57%	15.93%
Net Interest Income/Total Assets	3.8%	3.69%	3.51%
Non Interest Income/Total Assets	0.82%	0.65%	0.78%
Return on Equity	18.96%	21.22%	23.56%
Return on Assets	1.22%	1.56%	1.7%
Return on Capital Employed	23.8%	26.15%	28.5%

चित्र–I

तुलनात्मक चित्रण

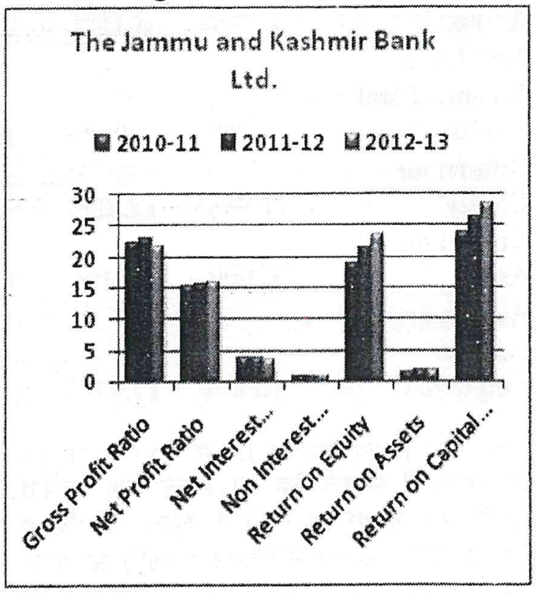

निर्वचन चित्र I एवं तालिका II से स्पष्ट है कि वर्ष 2010–2011 में जम्मू और कष्मीर बैंक का सकल लाभ अनुपात 22.3% था जो वर्ष 2011–12 में बढ़कर 22.82% हो गया और वर्ष 2012–13 में घटकर 21.62% रह गया। शुद्ध लाभ अनुपात वर्ष 2010–11 में 15.23% था जो वर्ष 2011–12 में बढ़कर 15.57% हो गया और वर्ष 2012–13 में बढ़कर 15.93% हो गया। वर्ष 2010–11 में शुद्ध ब्याज आय/कुल सम्पत्ति का प्रतिषत 3.8 था जो वर्ष 2011–12 में घटकर 3.69% हो गया और वर्ष 2012–13 में भी घटकर 3.51% हो गया। वर्ष 2010–11 में समता पर प्रत्याय का प्रतिषत 18.96 था जो वर्ष 2011–12 में बढ़कर 21.22% हो गया और वर्ष 2012–13 में 23.56% हो गया। वर्ष 2010–11 में सम्पत्ति पर प्रत्याय का प्रतिषत 1.22 था जो वर्ष 2011–12 में बढ़कर 1.56% हो गया और वर्ष 2012–13 में 1.7% हो गया। विनियोजित पूंजी पर प्रत्याय वर्ष 2010–11 में 23.8 प्रतिषत थी जो वर्ष 2011–12 में बढ़कर 26.15% हो गयी और वर्ष 2012–13 में 28.5% हो गयी। बैंक का सकल लाभ वर्ष 2012–13 में वर्ष 2011–12 और 2010–11 की अपेक्षा कम था परन्तु बैंक का उस वर्ष का शुद्ध लाभ बाकी वर्षो की अपेक्षा अधिक था।

फेडरल बैंक का तीन वर्षो के अनुपात का विश्लेषण

(ख) तालिका–III

लाभ समंक

Profitability Ratios	2010-11	2011-12	2012-13
Gross Profit Ratio	14.81%	19.17%	12.89%
Net Profit Ratio	12.88%	12.82%	12.26%
Net Interest Income/Total Assets	4.11%	4.18%	3.06%
Non Interest Income/Total Assets	1.18%	0.97%	1.07%
Return on Equity	11.98%	14.38%	14.03%
Return on Assets	1.34%	1.41%	1.35%
Return on Capital Employed	15.8%	17.03%	14.41%

चित्र–II

तुलनात्मक चित्रण

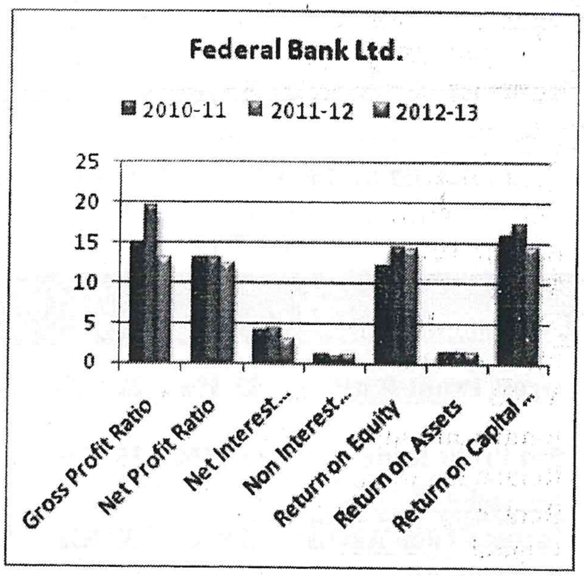

निर्वचन चित्र II एवं तालिका III से स्पष्ट है कि वर्ष 2010–2011 में फेडरल बैंक का सकल लाभ अनुपात 14.81% था जो वर्ष 2011–12 में बढ़कर 19.17% हो गया और वर्ष 2012–13 में घटकर 12.89% रह गया। शुद्ध लाभ अनुपात वर्ष 2010–11 में 12.88% था जो वर्ष 2011–12 में घट्कर 12.82% हो गया और वर्ष 2012–13 में घटकर 12.26% हो गया। वर्ष 2010–11 में शुद्ध ब्याज आय/कुल सम्पत्ति का प्रतिषत 4.11 था जो वर्ष 2011–12 में बढ़कर 4.18% हो गया और वर्ष 2012–13 में घटकर 3.06% हो गया। वर्ष 2010–11 में समता पर प्रत्याय का प्रतिषत 11.98 था जो वर्ष 2011–12 में बढ़कर 14.38% हो गया और वर्ष 2012–13 में 14.03% हो गया। वर्ष 2010–11 में सम्पत्ति पर प्रत्याय का प्रतिषत 1.34 था जो वर्ष 2011–12 में बढ़कर 1.41% हो गया और वर्ष 2012–13 में घटकर 1.35% हो गया। विनियोजित पूंजी पर प्रत्याय वर्ष 2010–11 में 15.8 प्रतिषत थी जो वर्ष 2011–12 में बढ़कर 17.03% हो गयी और वर्ष 2012–13 में घटकर 14.41% हो गयी। बैंक की लाभदायकता की स्थिति वर्ष 2012–13 में वर्ष 2011–2012 और वर्ष 2010–11 की तुलना में अच्छी नही रही।

(ग) यूको बैंक का तीन वर्षो के अनुपात का विश्लेषण

तालिका –IV
लाभ समंक

Profitability Ratios	2010-11	2011-12	2012-13
Gross Profit Ratio	8.07	10.06	14.87
Net Profit Ratio	7.48	7.2	3.49
Net Interest Income/Total Assets	2.75	2.48	2.42
Non Interest Income/Total Assets	0.67	0.6	0.5
Return on Equity	20.7	19.38	9.08
Return on Assets	0.66	0.69	0.33
Return on Capital Employed	13.11	10.77	6.44

चित्र–III
तुलनात्मक चित्रण

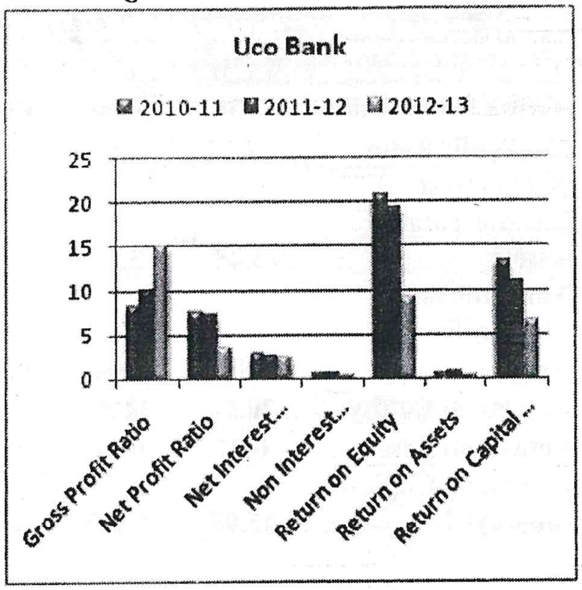

निर्वचन चित्र III एवं तालिका IV से स्पष्ट है कि वर्ष 2010–2011 में यूको बैंक का सकल लाभ अनुपात 8.07% था जो वर्ष 2011–12 में बढ़कर 10.06% हो गया और वर्ष 2012–13 में बढ़कर 14.87% रह गया। शुद्ध लाभ अनुपात वर्ष 2010–11 में 7.48% था जो वर्ष 2011–12 में घट्कर 7.2% हो गया और वर्ष 2012–13 में घट्कर 3.49% हो गया। वर्ष 2010–11 में शुद्ध ब्याज आय/कुल सम्पत्ति का प्रतिशत 2.75 था जो वर्ष 2011–12 में घटकर 2.48% हो गया और वर्ष 2012–13 में घटकर 2.42% हो गया। वर्ष 2010–11 में समता पर प्रत्याय का प्रतिशत 20.7 था जो वर्ष 2011–12 में घटकर 19.38% हो गया और वर्ष 2012–13 में 9.08% हो गया। वर्ष 2010–11 में सम्पत्ति पर प्रत्याय का प्रतिशत 0.66 था जो वर्ष 2011–12 में बढ़कर 0.69% हो गया और वर्ष 2012–13 में घटकर 0.33% हो गया। विनियोजित पूंजी पर प्रत्याय वर्ष 2010–11 में 13.11 प्रतिशत थी जो वर्ष 2011–12 में घटकर 10.77% हो गयी और वर्ष 2012–13 में घटकर 6.44% हो गयी। बैंक की लाभदायकता की स्थिति वर्ष 2012–13 में वर्ष 2011–2012 और वर्ष 2010–11 की तुलना में अच्छी नही रही।

(घ) यूनियन बैंक आफ इण्डिया का तीन वर्षो के अनुपात का विश्लेषण

तालिका V

लाभ समंक

Profitability Ratios	2010-11	2011-12	2012-13
Gross Profit Ratio	7.38	9.54	14.35
Net Profit Ratio	11.27	7.63	7.79
Net Interest Income/Total Assets	3.48	3.29	2.63
Non Interest Income/Total Assets	1.03	1.04	0.93
Return on Equity	20.94	14.85	15.05
Return on Assets	0.97	0.72	0.75
Return on Capital Employed	15.98	12.09	11.12

चित्र IV

तुलनात्मक चित्रण

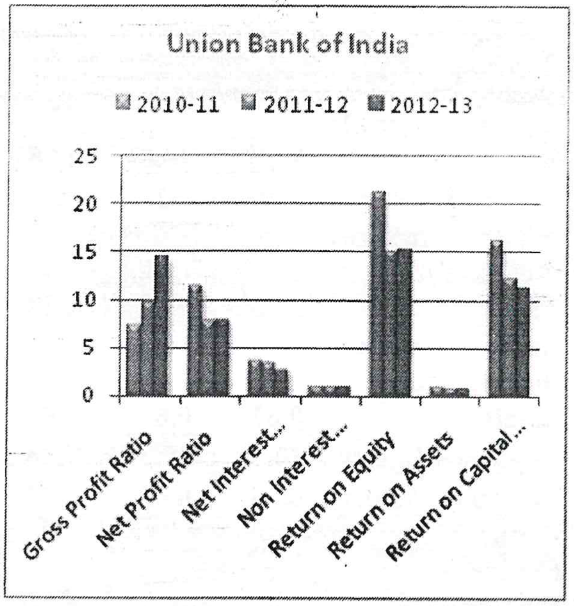

निर्वचन चित्र IV एवं तालिका V से स्पष्ट है कि वर्ष 2010–2011 में यूनियन बैंक ऑफ इण्डिया का सकल लाभ अनुपात 7.38% था जो वर्ष 2011–12 में बढ़कर 9.54% हो गया और वर्ष 2012–13 में बढ़कर 14.35% हो गया। शुद्ध लाभ अनुपात वर्ष 2010–11 में 11.27% था जो वर्ष 2011–12 में घटकर 7.63% हो गया और वर्ष 2012–13 में बढ़कर 7.79% हो गया। वर्ष 2010–11 में शुद्ध ब्याज आय/कुल सम्पत्ति का प्रतिषत 3.48 था जो वर्ष 2011–12 में घटकर 3.29% हो गया और वर्ष 2012–13 में घटकर 2.63% हो गया। वर्ष 2010–11 में समता पर प्रत्याय का प्रतिषत 20.94 था जो वर्ष 2011–12 में घट्कर 14.85% हो गया और वर्ष 2012–13 में 15.05% हो गया। वर्ष 2010–11 में सम्पत्ति पर प्रत्याय का प्रतिषत 0.97 था जो वर्ष 2011–12 में घटकर 0.72% हो गया और वर्ष 2012–13 में बढ़कर 0.75% हो गया। विनियोजित पूंजी पर प्रत्याय वर्ष 2010–11 में 15.98 प्रतिषत थी जो वर्ष 2011–12 में घटकर 12.09% हो गयी और वर्ष 2012–13 में घटकर 11.12% हो गयी। बैंक की लाभदायकता की स्थिति वर्ष 2012–13 में वर्ष 2011–2012 और वर्ष 2010–11 की तुलना में अच्छी नही रही।

IV चयनित बैंको की लाभदायकता का तुलनात्मक अध्ययन

तालिका VI – तुलनात्मक समंक

(In Percentage)

Profitability Ratios	J&K Bank	Federal Bank	Uco Bank	UBI
Gross Profit Ratio	22.25	15.62	11.00	10.42
Net Profit Ratio	15.58	12.65	6.06	8.90
Net Interest Income/Total Assets	3.67	3.78	2.55	3.13
Non Interest Income/Total Assets	0.75	1.07	0.59	1.00
Return on Equity	21.25	13.46	16.39	16.95
Return on Assets	1.49	1.37	0.56	0.81
Return on Capital Employed	26.15	15.75	10.11	13.06

चित्र 5 चयनित बैंको का तुलनात्मक चित्रण

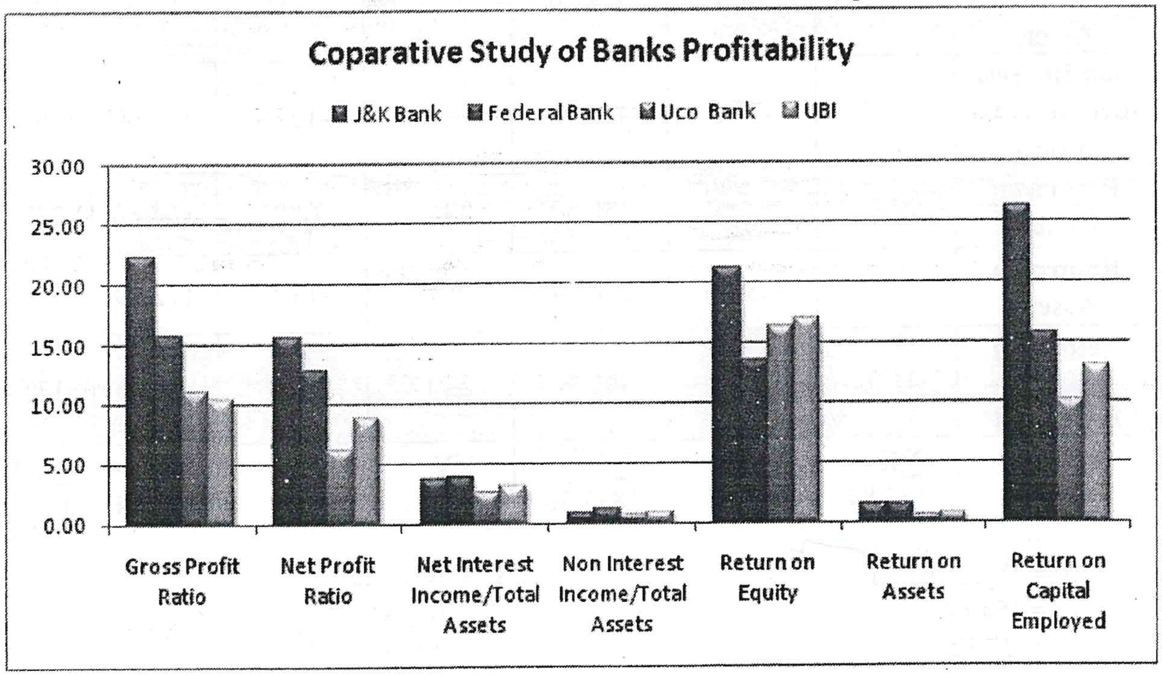

निर्वचन चित्र 5 एवं तालिका VI से स्पष्ट हैं कि जम्मू और कष्मीर बैंक का चयनित तीनों वर्षो के लिए सकल लाभ अनुपात का औसत 22.25 है जो फेडरल बैंक की अपेक्षा 6.63 अधिक है तथा यूको बैंक और यूनियन बैंक ऑफ इण्डिया से क्रमश 11.25 और 11.83 अधिक है। जम्मू और कश्मीर बैंक का शुद्ध लाभ अनुपात का औसत 15.58 है जो फेडरल बैंक की अपेक्षा 2.93 अधिक है तथा यूको बैंक और यूनियन बैंक ऑफ इण्डिया से क्रमश 9.52 और 6.68 अधिक है। जम्मू और कश्मीर बैंक का शुद्ध ब्याज आय/कुल सम्पत्ति का औसत 3.67 है जो फेडरल बैंक की अपेक्षा 0.11 कम है तथा यूको बैंक और यूनियन बैंक ऑफ इण्डिया से क्रमश 1.12 और 0.54 अधिक है। जम्मू और कष्मीर बैंक का समता पर प्रत्याय का औसत 21.25 हैं जो फेडरल बैंक की अपेक्षा 7.78 अधिक है तथा यूको बैंक और यूनियन बैंक ऑफ इण्डिया से क्रमश 4.86 और 4.3 अधिक है। जम्मू और कष्मीर बैंक का सम्पत्ति पर प्रत्याय का औसत 1.49 हैं जो फेडरल बैंक की अपेक्षा 0.12 अधिक है तथा यूको बैंक और यूनियन बैंक ऑफ इण्डिया से क्रमश 0.93 और 0.68 अधिक है। जम्मू और कष्मीर बैंक का विनियोजित पूंजी पर प्रत्याय का औसत 26.15 हैं जो फेडरल बैंक की अपेक्षा 10.4 अधिक है तथा यूको बैंक और यूनियन बैंक ऑफ इण्डिया से क्रमश 16.04 और 13.09 अधिक है।

V चयनित बैंकों की लाभदायकता का सह–सम्बन्ध द्वारा विश्लेषण

इस विश्लेषण के लिए निजी क्षेत्र के बैकों की लाभदायकता को 'X' चर तथा सार्वजनिक क्षेत्र के बैंको कि लाभदायकता को 'Y' चर मान लिया गया है। दोनों के मध्य सह–सम्बन्ध विष्लेषण VI तालिका द्वारा किया गया है–

तालिका VI सहसंबंध विश्लेषण

Ratios	X	X-x dx	dx^2	Y	Y-y dy	dy^2	dxdy
Gross Profit Ratio	37.87	15.75	248.06	21.42	6.92	47.88	108.99
Net Income Ratio	28.23	6.11	37.33	14.95	0.45	0.20	2.74
Net Interest Income/Total Assets	7.45	-14.67	215.20	5.68	-8.82	77.79	129.38
Non Interest Income/Total Assets	1.82	-20.3	412.09	1.59	-12.91	166.66	262.07
Return on Equity	34.71	12.59	156.50	33.33	18.83	354.56	237.03
Return on Assets	2.86	-19.26	370.94	1.37	-13.13	172.39	262.88
Return on Capital Employed	41.90	19.78	391.24	23.17	8.67	75.15	171.49
	$\sum X =$ 154.84		$\sum dx^2 =$ 1833.36	$\sum Y =$ 101.51		$\sum dy^2 =$ 894.64	$\sum dxdy =$ 1174.61

$$X = \sum X / N = 154.84 / 7 = 22.12$$

$$Y = \sum y / N = 101.51 / 7 = 14.50$$

$$\text{Correlation} = \frac{\sum dxdy}{\sqrt{\sum dx^2 \times \sum dy^2}}$$

$$= \frac{1174.61}{\sqrt{1833.36 \times 894.64}}$$

$$= \frac{1174.61}{1280.70}$$

$$= 0.91 \text{ (Approx)}$$

सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के बैंकों की लाभदायकता के मध्य सह–सम्बन्ध का विश्लेषण करने के पश्चात् यह स्पष्ट हो रहा है कि सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के बैंकों की लाभदायकता के मध्य उच्च धनात्मक सह–सम्बन्ध है।

't' टेस्ट विश्लेषण

(t-Test Analysis)

t-Test =

$$t = \frac{r \times \sqrt{n-2}}{\sqrt{1-r^2}}$$

$$= \frac{0.91 \times \sqrt{7-2}}{\sqrt{1-(0.91)^2}}$$

$$= \frac{0.91 \times 2\text{-}23}{0.1719}$$

$$= 11.85$$

स्वातन्त्र्य संख्या = (n-2) = 7-2 = 5

5% सार्थक स्तर पर व 5 स्वातन्त्र्य संख्या के लिए टी सारणी द्वारा टी का मान 2.571 है। टी सारणी मूल्य 2.571 टी टेस्ट द्वारा परिगाणित मूल्य से 9.279 कम है। अतः हमारे द्वारा ली गई शून्य परिकल्पना सत्य है।

VI निष्कर्ष

इस अध्याय का अध्ययन करने के पश्चात् यह निष्कर्ष निकलता है कि सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के बैंकों की लाभदायकता में हमेषा सकारात्मक सम्बन्ध होता है। किसी भी बैंक की लाभदायकता बढ़ना इस बात का संकेत होता है कि बैंक अपने संसाधनों का अनुकूलतम प्रयोग कर रही है। जबकि यदि बैंक की लाभदायकता में कमी आ रही है तो यह कमी बताती है कि बैंक की कार्यकुषलता अच्छी नही है।

द्वितीयक संमकों के आधार पर चयनित सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के बैंकों की लाभदायकता में उच्च धनात्मक सम्बन्ध (0.91) ज्ञात होता है। जिसका निष्कर्ष है कि सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के बैंकों की लाभदायकता में तो उच्च कोटि की निर्भरता या सहसम्बन्ध है।

सन्दर्भ

[1] Bhayani, S. (2006). "Performance of the New Indian Private Sector Banks: A Comparative Study." *Journal of Management Research, Vol. 5, No.11*, pp. 53-70.

[2] Md. A. Kabir and S. Dey, "Performance analysis through CAMEL rating: A comparative study of selected private commercial banks in Bangladesh," *Journal of Politics & Governance*, vol. 1, no. 2/3, pp. 16-25, September 2012.

[3] Karimzadeh and Majid, "Efficiency analysis by using data envelop analysis model: Evidence from Indian banks," *International Journal of Latest Trends in Finance & Economic Sciences*, pp. 228-237, 2012.

[4] Singh A.B., Tondon P.(2012): " A Study of Financial Performance: A Comparative Analysis of SBI and ICICI Bank", *International Journal of Marketing, Financial Services & Management Research*, Vol.1 Issue 11.

[5] S. K. Misra and P. K. Aspal, "A camel model analysis of state bank group," *World Journal of Social Sciences*, vol. 3, no.4, pp. 36–55, July 2013.

[6] Srinivas K. and Saroja L.(2013). "Comparative Financial Performance of HDFC Bank and ICICI Bank", *International Refereed Multidisciplinary Journal of Contemporary Research*, Volume.1, Issue.2, pp.108-126